Research Paper Education

dyk,oa foKku ladk; ds egkfo|ky;hu fo|kfFkZ;ksa ds jktuhfrd :fp dk rqyukRed v/;;u

Dr.(Smt.)Nisha Shrivastava	HOD (Education Department), Ghanshyam Singh Arya Kanya Mahavidyalaya, Durg(C.G.)
Dr.(Smt.) MridulaVerma	Asst.Prof.(Education Dept.) Ghanshyam Singh Arya KanyaMahav-idyalaya, Durg (C.G.)
Dageshwari Verma	(M.Ed. Student) Ghanshyam Singh Arya Kanya Mahavidyalaya, Durg(C.G.)

ABSTRACT

प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालयीन विद्यार्थियों की राजनीतिक रूचि का अध्ययन करना है। राजनीतिक रूचि के मापन के लिए सुरेश कुमार सिंह एवं बी.बी. पाण्डेय द्वारा निर्मित मापनी का उपयोग किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन हेतु न्यादर्श के रूप में कला एवं विज्ञान महाविद्यालय में अध्ययनरत् B.A. एवं B.Sc. I Year के 200 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। चयनित विद्यार्थियों पर उपरोक्त उपकरण का प्रशासन करके उनके प्राप्तांक ज्ञात किए गए तथा उसके आधार पर परिकल्पनाओं के सत्यापन हेतु टी–मूल्य ज्ञात किया गया। कला एवं विज्ञान महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के राजनीतिक रूचि में सार्थक अंतर पाया गया।

KEYWORDS

iLrkouk

प्रस्तुत शोध पत्र में विद्यार्थियों की राजनीतिक रूचि का अध्ययन किया गया है। विद्यार्थी की राजनीतिक रूचि का अभिप्राय उनकी देश की राजनीतिक व्यवस्था के प्रति क्रियाकल. ाप और अन्य देशों के साथ राजनीतिक संबंध में जानकारी हासिल करने की इच्छा से है। राजनीति रूचि समग्र शिक्षा का ही एक अंग है और सभी के लिए इसे ग्रहण करना आवश्यक है। आचार्य कौटिल्य ने अपनी प्रसिद्ध कृति अर्थशास्त्र में लिखा है कि Þjk-tuhfr”kkL= राज्य संबंधी विषयों का अध्ययन करती है।" आज के समय में इसका क्षेत्र व्यापक हो गया है। बर्नाड शो इसे मानवीय सभ्यता को सुरक्षित रख सकने वाला विज्ञान कहते हैं। ÞflQZ 33% युवक ही राजनीति में रूचि रखते है।" Janet N. Mendler (1995) (New & Information service) हमें युवको में राजनीतिक रूचि बढ़ाने के उपाय करना चाहिए। इसके लिये हमें छात्र–छात्राओं में बाल्य काल से ही राजनीति रूचि बढ़ाने के प्रयास किये जाने चाहिए। कला एवं विज्ञान महाविद्यालयीन विद्यार्थियों में सार्थक अंतर पाया गया। जिसका कारण यह है कि आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है इस युग में व्यक्ति राजनीतिक जागरूकता के द्वारा आगे बढ़ना चाहता है। कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के छात्राओं में सार्थक अंतर नही पाया गया क्योंकि वर्तमान समय में विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं में राजनीतिक रूचि के प्रति जितनी जागरूकता हैं उतनी ही कला महाविद्यालय की छात्राओं में भी है।

mn~ns';

- कला एवं विज्ञान महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के राजनीतिक रूचि का अध्ययन करना।
- कला एवं विज्ञान महाविद्यालयीन छात्रों के राजनीतिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के छात्राओं के राजनीतिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

v/;;u dh ifjlhek

प्रस्तुत शोध कार्य में दुर्ग जिले के महाविद्यालयों का अध्ययन किया गया है। अध्ययन हेतु कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों का चयन किया गया है। यह अध्ययन केवल छात्र छात्राओं की राजनीतिक रूचि से सम्बन्धित है।इस अध्ययन हेतु केवल कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के B.A. एवं B.Sc. 1 Year के छात्र छात्राओं का चयन किया गया है।

U;kn'

प्रस्तुतशोध में दुर्ग जिले के कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों का चयन यादृ. च्छक विधि के अंतर्गत लाटरी विधि द्वारा किया गया है। इसमें शासकीय महाविद्यालय के कला संकाय से 50 छात्र और 50 छात्रा विद्यार्थी तथा शासकीय महाविद्यालय के विज्ञान संकाय से 50 छात्र और 50 छात्रा विद्यार्थियों का चयन किया गया है।

midj.k

विद्यार्थियों की राजनीतिक रूचि का परीक्षण करने के लिए शोधकर्ता ने डॉ. सुरेश कुमार सिंग तथा डॉ. बी. बी. पांडे द्वार निर्मित राजनीतिक रूचि मापनी का प्रयोग किया है। जिसमें कुल 38 प्रश्न है, जो राजनीतिक रूचि का निर्धारण करते है। तभी वैद्यता उच्च स्तर की है। इसकी विश्वसनीयता .84 है।

lkaf[;dh; fo'ys"k.k

शून्य परिकल्पना से प्राप्त प्रदत्तों का विश्लेषण मध्यमान एवं विचलन तथा सार्थकता ज्ञात करने के हेतु टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया।

ifjdYiuk ifj.kke o foopsu

प्रस्तुत शोध की समस्या कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों में राजनीतिक रूचि पर एक तुलनात्मक अध्ययन में विद्यार्थियों की राजनीतिक रूचि संबंधि प्राप्त आंकड़ों की व्याख्या विश्लेषण एवं निष्कर्ष हेतु परिकल्पनाओं का सत्यापन किया गया है।

ifjdYiukH_1 - dyk ,oa foKku egkfo|ky; ds fo|kfFkZ;ksa esa jktuhfrd :fp ij lkFkZd varj ugha ik;k tk;sxkA

lkj.kh dzekad 1

कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियोंके राजनीतिक रूचि का सांख्यिकीय विवरण

क्र.	तुलनात्मक समूह	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य

1.	कला संकाय	100	116.99	19.34	3.48
2.	विज्ञान संकाय	100	125.35	14.35	
स्वतंत्रता की कोटी $df = 198, P < 0.05$ सार्थक है।					

अतः स्पष्ट है कि कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है। फलतः परिकल्पना H_1 अस्वीकृत होती है।

i fj d Yi uk H_2 - d y k , oafoKku egkfo| ky ; d sNk=ka esa jkt uhfr d : fp i j l kFkZd vaj ughai k; k t k; sxkA

l kj.kh d ekad 2
d y k , oafoKku egkfo| ky ; d sNk=ka d s jkt uhfr d : fp d k l kaf[; d h; fooj.k

क.	तुलनात्मक समूह	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य
1.	कला संकाय के छात्र	50	116.02	14.61	16.87
2.	विज्ञान संकाय के छात्र	50	125.78	40.89	
स्वतंत्रता की कोटी $df = 98, P < 0.05$ सार्थक है।					

अतः स्पष्ट है कि कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के छात्रों के मध्य सार्थक अंतर पाया गया है। फलतः परिकल्पना H_2 अस्वीकृत होती है।

i fj d Yi uk H_3 - d y k , oa foKku egkfo| ky ; d h Nk=kvksa esa jkt uhfr d : fp i j l kFkZd vaj ughai k; k t k; sxkA

l kj.kh d ekad 3
d y k , oafoKku egkfo| ky ; d sNk=kvksa d s jkt uhfr d : fp d k l kaf[; d h; fooj.k

क.	तुलनात्मक समूह	प्रदत्तों की संख्या	मध्यमान	प्रमाणिक विचलन	टी मूल्य
1.	कला संकाय की छात्राएँ	50	117.96	85.07	0.57
2.	विज्ञान संकाय की छात्राएँ	50	124.92	11.77	
स्वतंत्रता की कोटी $df = 98, P > 0.05$ सार्थक नहीं है।					

अतः स्पष्ट है कि कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के छात्राओं के मध्य सार्थक अंतर नहीं पाया गया है। फलतः परिकल्पना H_3 स्वीकृत होती है।

निष्कर्षZ

- विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों में कला संकाय की अपेक्षा राजनीतिक रूचि अधिक पायी गई। विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों में सभी प्रकार की जागरूकता होती है इसलिए राजनीति रूचि भी अधिक पायी गई।
- विज्ञान संकाय की छात्रों में कला संकाय की छात्राओं की अपेक्षा राजनीतिक रूचि, अधिक पायी गई इसका कारण यह है कि ये वैश्वीकरण के प्रति जागरूक।
- कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के छात्राओं में सार्थक अंतर नहीं पाया गया क्योंकि वर्तमान समय में विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं में राजनीतिक रूचि के प्रति जितनी जागरूकता हैं उतनी ही कला महा विद्यालय की छात्राओं मे भी हैं।

l q>ko

- अध्यापक विद्यार्थियों की रूचि को समझने का प्रयास करें और उनकी प्रकृति के अनुसार शिक्षण पद्धति अपनाएँ।
- आयु के साथ साथ विद्यार्थियों की रूचि में परिवर्तन होता है। अतः शिक्षकों की रूचि के अनुकुल पाठ्य विषय तैयार करना चाहिए।
- विद्यार्थियों में प्रारंभ से ही नेतृत्व के गुणों का विकास करना।
- महाविद्यालयों के विद्यार्थियों में राजनीतिक जागरूकता जागृत करना।
- विद्यार्थियों को अपने समाज व देश के प्रति अधिकारों व कर्तव्यों की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों में राजनीतिक शिक्षण एवं प्रशिक्षण की गतिविधियों का विकास करना चाहिए।

vuqla/kku v/; ; u

- बी.एड. प्रशिक्षार्थी के राजनीतिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन।
- हाईस्कूल विद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों की राजनीतिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन।
- ग्रामीण व शहरी विद्यार्थियों की राजनीतिक रूचि का अध्ययन शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के विद्यार्थियों में राजनीतिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन।
- महाविद्यालयों के कला एवं विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों में राजनीतिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन।
- डी.एड. प्रशिक्षार्थियों के राजनीतिक रूचि का तुलनात्मक अध्ययन।

REFERENCES

● भटनागर, सुरेश ; शिक्षा मनोविज्ञान, आर. लाल बुकडिपों, निकट गर्वनमेंट कॉलिज, मेरठ, 2011, पृ. नं. – 224–225 द्य ● भटनागर, ए. बी. ; भौतिक विज्ञान शिक्षा, सूर्या पब्लिकेशन, आर. लाल बुक डिपो, निकट राजकीय इण्टर कॉलिज, मेरठ, 2006, पृ. नं. – 340 द्य ● भटनागर ए. बी., भटनागर, मीनाक्षी, ;मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, सूर्या पब्लिकेशन निकट गवर्नमन्ट इण्टर कालेज मेरठ, षष्ठम संस्करण : 2004, पृ. नं. –340 द्य ● हन्फी, एस. ए., बरौलिया अनीता ; प्रगत् शिक्षा मनोविज्ञान, राधा प्रकाशन मंदिर, नगला अजीता, आगरा, नवीन संस्करण : 2013–2014, पृ. नं. – 211, 220 द्य ● जैन, पुखराज ;राजनीति विज्ञान, साहित्य भवन पब्लिकेशन, पूर्णतः संशोधित संस्करण : 1996, पृ.नं. –19 द्य ● कपिल, एच. के. ; अनुसंधान विधियाँ, एच. पी. भार्गव बुक हाऊस, कचहरी घाट, आगरा, पन्द्रहवाँ संस्करण : 2012 पृ. नं. – 60 द्य ● पाठक, पी.डी. ;शिक्षा मनोविज्ञान, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, ज्योति ब्लॉक, संजय प्लेस, आगरा–2, इक्चालीसवाँ संस्करण : 2012, पृ. नं. – 6, 297–298–299–302 द्य ● पाण्डा, अनिल कुमार ;शिक्षा मनोविज्ञान, साहित्य रत्नालय, गिलिंस बाजार, कानपुर, प्रथम संस्करण : 2009, पृ. नं. – 2–6 द्य ● राय पारसनाथ, राय सी. पी. ;अनुसंधान परिचय, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल अनुपम प्लाजा,– I, संजय प्लेस, आगरा, प्रथम संस्करण :1973 त्रयोदश संस्करण : 2010–2011पृ. नं. – 18, 20, 42, 43, 94, 98 द्य ● सरीन शशिकला, सरीन अंजनी ;शैक्षिक अनुसंधान विधियाँ, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, ज्योति ब्लॉक, संजय प्लेस, आगरा–2, सातवां संस्करण : 2012, पृ. नं. – 27, 31, 119 द्य ● सक्सैना, एन.आर. स्वरूप, ;शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत, आर. लाल बुकडिपों, निकट गर्वनमेंट कॉलेज, मेरठ, संस्करण : 2013, पृ. नं. – 4–12 द्य ● शर्मा, सरोज ;शिक्षा एवं भारतीय समाज, श्याम प्रकाशन गीतांजली अपार्टमेन्ट 1026, नाटाणियों का रास्ता जयपुर, संस्करण : चतुर्थ, 2008, पृ. नं. – 7 द्य ● शर्मा, के. आर., दुबे श्री कृष्ण, शर्मा हरिशंकर ;शिक्षा के समाजशास्त्रीय एवं दार्शनिक आधार, राधा प्रकाशन मंदिर सेक्टर– 8 निकट केन्द्रिय कारगार परशुरामपुरी, नगला अजीता आगरा, पृ. नं. – 24–25 द्य ● योगेन्द्र जीत भाई ;शिक्षा मनोविज्ञान, विनोद पुस्तक मंदिर कर्यालय रांगेय राधव मार्ग, आगरा–2 बिक्री – केन्द्र : हॉस्पिटल रोड, आगरा –3, नवीन संस्करण